हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 7 दिसंबर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है। श्री मोदी ने कल नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में यह बात कही।

आज दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है लेकिन हमारा भारत एक अलग ही लीग में दिख रहा है। भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। जब दुनिया में स्लोडाउन की बात होती है, तब भारत ग्रोथ की कहानी लिखता है। जब दुनिया में ट्रस्टी क्राइसेस दिखता है। तब भारत ट्रस्ट का पिलर बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया के लिए उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का एक मॉडल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद दर में वृद्धि देश की बढ़ती प्रगति का प्रतिबिंब है।

भारत में क्वार्टर टू के जीडीपी फीगर्स आये हैं। 8 परसेंट से ज्यादा की ग्रोथ रेट हमारी प्रगति की नई गति का प्रतिविम्ब है। यह संदेश है कि भारत आज ग्लोबल इकोनॉमी का ग्रोथ ड्राइवर बन रहा है। और हमारे आंकड़े तब है जब ग्लोबल ग्रोथ तीन प्रतिशत के आसपास है।

श्री मोदी ने नागरिक-केंद्रित शासन के लिए लोगों से समर्थन का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों और सरकार के बीच विश्वास अब और मज़बूत हुआ है। उन्होंने कहा कि देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र, गांव, छोटे शहर, महिलाएं और युवा, समुद्री अर्थव्यवस्था तथा अंतरिक्ष जैसे पारंपरिक रूप से अविकसित क्षेत्र अब अपनी पूरी क्षमता का एहसास करा रहे हैं। श्री मोदी ने 2025 को प्रत्यक्ष कर प्रणाली से लेकर जीएसटी तक सुधारों का वर्ष बताया।

****

कैथल में आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली की अध्यक्षता में पार्टी की बैठक हो रही है। बैठक में स्वदेशी अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाने पर और अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डॉ सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वदेशी रथ यात्रा को हरी झंडी भी दिखाई।

बैठक में सभी जिला एवं मंडल अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी भी भाग ले रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत की प्रदेश टोली, आत्मनिर्भर भारत के लोकसभा संयोजक भी बैठक में भाग ले रहे हैं।

****

हरियाणा ने सुधारात्मक न्याय के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जेलों में कौशल विकास केंद्रों, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों एवं आईटीआई-स्तरीय व्यावसायिक कार्यक्रम शुरू किए हैं। यह कदम "एम्पावरिंग लाइव्स बिहाइंड बार्स", रियल चेंज : दी न्यू पैराडिग्म ऑफ करेक्शनल जस्टिस" परियोजना के अंतर्गत उठाया गया है।

जेलों में इन कार्यक्रमों का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा कल गुरुग्राम में भोंडसी जेल से किया गया। इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश ने पंजाब, हरियाणा एवं केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ में एक माह चलने वाले राज्यव्यापी नशा-रोधी जागरूकता अभियान का भी शुभारंभ किया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अहसनुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू एवं उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश तथा राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति जेल से बाहर आने के बाद उपयुक्त मार्गदर्शन, शिक्षा एवं कौशल समर्थन नहीं पाता, तो उसका समाज में पुनर्वास कठिन हो जाता है और कई बार वह दोबारा अपराध के चक्र में फंस जाता है। उन्होंने कहा कि यदि जेल में शिक्षा, कौशल, मनोवैज्ञानिक समर्थन और पुनर्वास की संरचित व्यवस्था न हो, तो जेलें अनजाने में वंचनाओं को और गहरा कर सकती हैं। उन्होंने सुधारात्मक प्रणाली को मजबूत करने हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि पुनर्वास केवल आशा पर नहीं, बल्कि एक योजनाबद्ध प्रक्रिया पर आधारित होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक जिले में पुनर्वास बोर्ड गठित किए जाएं, जिनमें परीक्षण अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएँ एवं मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हों, ताकि प्रत्येक रिहाई एक ठोस कार्ययोजना के साथ हो। उन्होंने प्रवासी मजदूरों की विशिष्ट संवेदनशीलताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि उनकी चुनौतियाँ परिस्थिति जन्य हैं, आपराधिक नहीं। उनके लिए सरल ज़मानत प्रक्रिया, बहुभाषीय कानूनी सहायता और आवश्यक दस्तावेज सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक पुनर्वास को व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ मजबूत किया जाना चाहिए, कौशल अवसर देता है लेकिन मनोवैज्ञानिक स्थिरता व्यक्ति को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है।

****